सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-572
20/11/2017

आजादी की लड़ाई को दिशा देने में चम्पारण सत्याग्रह की अहम भूमिका है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता :– मुख्यमंत्री

पटना, 20 नवम्बर 2017 :– चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष के मौके पर महात्मा गांधी की कर्मभूमि भितिहरवा में आयोजित कार्यक्रम का मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। भितिहरवा पहुंचकर मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम राजकीय बुनियादी विद्यालय भितिहरवा एवं गॉधी आश्रम का अवलोकन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गौरव का दिन है, आज से सौ साल पहले पंडित राजकुमार शुक्ल के काफी मेहनत के बाद महात्मा गांधी चम्पारण आए थे। यहां आकर नीलहों के अत्याचार से प्रताड़ित किसानों और तीनकठिया प्रणाली के तहत वसूले जाने वाले तरह–तरह के टैक्स से उन्हें मुक्ति दिलायी। उन्होंने कहा कि पंडित राजकुमार शुक्ल के काफी प्रयास के बाद 10 अप्रैल को गांधी जी पटना पहुंचे, उसी रात मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हो गए और फिर चम्पारण पहुंचे। उन्होंने कहा कि चम्पारण में जो गांधी जी ने किया वह जगजाहिर है। चम्पारण सत्याग्रह का जबर्दस्त प्रभाव पड़ा, जिसके बाद चंपारण के किसानों का न सिर्फ दुःख घटा बल्कि इसकी देश भर में चर्चा हुई और इससे आजादी की लड़ाई को गति मिली और इस लड़ाई के 30 साल के अंदर ही 1947 में देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई को दिशा देने में चम्पारण सत्याग्रह की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष में पटना, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चम्पारण, मुजफ्फरपुर और पंडित राजकुमार शुक्ल के गांव में भी कार्यक्रम आयोजित किये गये। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने चम्पारण से बाहर करने की पूरी कोशिश की, उन पर मुकदमा तक दायर हुआ लेकिन गांधी जी ने कोर्ट को भी असमंजस में डाल दिया। अदालत में गांधी जी ने कहा कि मैं लोगों का दर्द जानने और समझने आया हूँ, कानून का उल्लंघन करना मेरा मकसद नहीं है और आपको यदि लगता है कि मैंने कानून का उल्लंघन किया है तो मुझे जो भी सजा देनी है, दीजिये। इसके बाद मजबूर होकर कोर्ट के मजिस्ट्रेट ने स्वयं मुचलका भरकर गांधी जी को छोड़ दिया और अंग्रेजों को झुकना पड़ा। अंग्रेजों ने एक कमिटी बनाई जिसमे गांधी जी को भी रखा, उसके बाद तीनकठिया प्रणाली को खत्म करके अग्रेरियन लॉ पारित हुआ। नीलहों के अत्याचार से किसानों को मुक्ति मिलने के बाद हजारों स्थानीय लोगों का महात्मा गांधी ने बयान दर्ज कराया। गॉधी जी ने चम्पारण में न सिर्फ सत्याग्रह किया बल्कि इसके साथ–साथ शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य के प्रति भी लोगों को जागृत किया। चम्पारण के इलाके में छह बुनियादी विद्यालय भी गांधी जी ने खुलवाये और शिक्षकों का प्रबंध कर चम्पारणवासियों के बीच शिक्षा की अलख जगाया। इसी कड़ी में 20 नवंबर 1917 को भितिहरवा में भी बुनियादी विद्यालय स्थापित किया गया, जो सैकड़ों लोगों की मदद से बांस–फुस के सहारे स्कूल का भवन तैयार हुआ। वहीं भितिहरवा आश्रम की भी स्थापना की गई, जिसमें स्वयं कस्तुरबा गांधी ने रहकर महिलाओं को जागृत और लोगों को उनके अधिकारों के लिए प्रेरित किया। गांधी जी ने शिक्षा

के प्रचार–प्रसार के साथ–साथ अन्य जो समाज सुधार के काम किये, उससे हम सबको सीखना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी 6 बुनियादी विद्यालयों को पुनर्जीवित करने का हमलोगों ने संकल्प लिया है, जिसकी शुरुआत भितिहरवा से हुई है। उन्होंने कहा कि पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर या अन्य गांधी जी से जुड़े महत्वपूर्ण स्थल पर गॉधी जी की मूर्ति की स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह का सौ साल पूरा हुआ है, जो कुछ भी करना है, किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांधी सर्किट का भी विकास कर रहे हैं, इसमें केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय का भी सहयोग मिल रहा है। भितिहरवा में 4 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से दो मंजिला बहुद्देशीय भवन, चंद्रहिया में थीम पार्क का निर्माण और तुरकौलिया में विभिन्न सुविधाओं का विकास तथा सड़कों पर साइनेज इस तरह से लगाया जायेगा कि चम्पारण आने वालों को पता चल सके कि यहॉ क्या है, किधर है ? उन्होंने कहा कि आज गांधी जी के विचारों को अपनाने की आवश्यकता है, इसके लिए हमलोगों ने अब तक "बापू आपके द्वार" कार्यक्रम के तहत हर घर दस्तक दिया जा रहा है। अब तक 1 करोड़ 20 लाख घरों में दस्तक दिया जा चुका है, बापू के विचारों को पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि अगर 10 से 15 प्रतिशत नई पीढ़ी गॉधी जी के विचारों को अपनाकर उनका अनुकरण करे तो इससे न सिर्फ उनका, उनके परिवार का भला होगा बल्कि इससे समाज बदलेगा, राज्य बदलेगा और पूरा देश बदलेगा। उन्होंने कहा कि गांधी जी अक्सर कहा करते थे कि आप जिस परिवर्तन को दुनिया मे देखना चाहते हैं, उसकी शुरुआत आप खुद से करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहना चाहिये। उन्होंने कहा कि गॉधी जी कहा करते थे कि प्रकृति लोगों की जरूरतों को पूरा कर सकता है, उनकी लालच को नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों को सहज भाषा में गॉधी जी से जुड़ी कहानियॉ सुनायी जायेगी। सभी स्कूलों में प्रार्थना के बाद कथावाचन किया जायेगा। 11 अक्टूबर को इसकी शुरूआत कर दी गयी है। पटना में स्कूली छात्रों के बीच मेरे द्वारा कथावाचन किया गया है। उन्होंने कहा कि गॉधी जी के विचारों को धरती पर उतारने की कोशिश कर रहे हैं। शराबबंदी का जिक्र करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू है। चम्पारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष में इसे लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे बड़ा गॉधी जी के प्रति आस्था का प्रकटिकरण नहीं हो सकता था। उन्होंने कहा कि चंद लोगों को छोड़ दीजिये तो सबलोग शराबबंदी से खुश हैं। आज गॉव एवं कसबों में कितनी शांति है। जहरीली शराब से हुयी मौत मामले का जिक्र करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सब लोगों को शराबबंदी एवं नशामुक्ति के संबंध में जागरूक करें। उन्होंने कहा कि शराब पीना या शराब का व्यवसाय करना मौलिक अधिकार नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट कर दिया है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं से अपील की कि आपकी मॉग पर बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू किया गया है। आप सभी निश्चिंत होकर नहीं बैठिये, नजर रखिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम शराबबंदी से नशामुक्ति की तरफ बढ़ रहे हैं। इसके साथ–साथ दहेज प्रथा एवं बाल विवाह जैसे सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध अभियान चला रहे हैं। बाल विवाह के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल विवाह के कारण आज बौनेपन की शिकायत बढ़ गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष 21 जनवरी 2017 को शराबबंदी एवं नशामुक्ति पर मानव श्रृंखला बनायी गयी, जिसमें चार करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया, उसी प्रकार अगले वर्ष 21 जनवरी 2018 को फिर से शराबबंदी, नशामुक्ति, दहेज प्रथा, बाल विवाह के खिलाफ मानव श्रृंखला बनायी जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी प्रकार का काम किया जा रहा है। सात निश्चय योजना के तहत हर घर बिजली कनेक्शन, हर घर तक पक्की गली–नाली, हर घर नल का जल, हर घर शौचालय योजना लागू की गयी है। इसके साथ–साथ महिलाओं को सभी प्रकार की सरकारी

सेवाओं में 35 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया है। सब कुछ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी 12वीं से आगे पढ़े। उन्होंने कहा कि बिहार का ग्रोश इनरॉलमेंट रेशियो कम है, यह मात्र 13.9 प्रतिशत है, जबकि देश का लगभग 25 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि हम इसे 30 प्रतिशत से आगे ले जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि गरीबी के कारण बच्चे 12वीं से आगे नहीं पढ़ पाते हैं। 12वीं से आगे पढ़ने वाले इच्छुक छात्र–छात्राओं को चार लाख रूपये तक का स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड किया जायेगा। इसमें मूल एवं सूद दोनों की राशि की गारंटी सरकार की है। उन्होंने कहा कि इसके साथ–साथ युवाओं के लिये स्वयं सहायता भता योजना लागू किया गया है। युवाओं में कौशल विकास के लिये कुशल युवा कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके तहत युवाओं में कम्प्यूटर ज्ञान के साथ–साथ व्यवहार कौशल, संवाद कौशल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज का जमाना इंटरनेट का है। सभी सरकारी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में मुफ्त वाई–फाई की सुविधा दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रमों की समीक्षा के लिये मैं अगले माह से यात्रा पर निकलूँगा, जिसकी शुरूआत चम्पारण से की जायेगी।

समारोह में भितिहरवा आश्रम एवं चम्पारण सत्याग्रह में 'स्त्री स्वर' पुस्तक का विमोचन किया।

कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री ने राजकीय बुनियादी विद्यालय भितिहरवा के जीर्णोद्धार भवन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने राजकीय बुनियादी विद्यालय भितिहरवा के परिसर का निरीक्षण किया तथा परिसर में वृक्षारोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं में जाकर बच्चों से बातचीत की। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिये, उन्हें विद्यालय के कक्षाओं के बेंच, टेबुल को और अच्छा करने को कहा।

राजकीय बुनियादी विद्यालय भितिहरवा के पश्चात मुख्यमंत्री ने भितिहरवा आश्रम का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने भितिहरवा आश्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी एवं कस्तुरबा गॉधी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने बच्चों द्वारा गाये गये गॉधी जी के प्रिय भजन को बैठकर सुना। आश्रम के निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आश्रम के सौंदर्यीकरण के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने भितिहरवा आश्रम में गॉधी जी के जीवन से संबंधित लगाये गये प्रदर्शों का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भितिहरवा आश्रम में अस्थायी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। साथ ही भितिहरवा आश्रम में बहुद्देशीय भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास भी किया।

इस अवसर पर पर्यटन मंत्री श्री प्रमोद कुमार, कला संस्कृति मंत्री श्री कृष्ण कुमार ऋषि, शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, गन्ना उद्योग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री खुर्शीद उर्फ फिरोज अहमद, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री मदन सहनी, सांसद श्री सतीश चंद्र दूबे, सांसद डॉ0 संजय जायसवाल, विधायक श्रीमती भागीरथी देवी, विधायक श्री विनय वर्मा, विधायक श्री आर0एस0 पाण्डेय, विधायक श्री विनय बिहारी, विधान पार्षद श्री ललन सर्राफ, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, प्रधान सचिव शिक्षा श्री आर0के0 महाजन, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, प्रधान सचिव कला संस्कृति एवं युवा श्री चैतन्य प्रसाद, सचिव पर्यटन श्री पंकज कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, प्रमण्डलीय आयुक्त तिरहुत प्रमण्डल, पुलिस महानिरीक्षक तिरहुत प्रक्षेत्र, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, जिलाधिकारी बेतिया श्री नीलेश रामचंद्र देवरे, पुलिस अधीक्षक बेतिया श्री विनय कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

******